ॐ तत् सत्। सा विद्या या विमुक्तये ।

भगवान लकुलीशजी के शिष्य पूज्य प्रितम मुनिजी द्वारा सनातन संस्कृति पुनरुत्थान
और विश्व में शांति, नीति, एकता की स्थापना हेतु निर्माणाधिन

सत्यम् शिवम् सुंदरम्।

# हिंदु गुरुकुल
# लकुलीश सनातन संस्कृति विद्यापीठ

धर्म संस्थापनार्थाय
संभवामि युगे युगे।

**Hindu Gurukul - Lakulish Sanatan Sanskriti Vidyapeeth
will help to make Saints, Scientists, Soldiers, Leaders & Experts.**

स्वाभाविकी ज्ञानबलक्रिया।

## उद्देश्य

सनातन धर्म के ज्ञान-विज्ञान, आधुनिक विद्या, कला, सुरक्षा और नेतृत्त्व के समन्वित शिक्षण प्रशिक्षण से
भगवान लकुलीश जी के आदेशानुसार सनातन संस्कृति पुनरुत्थान द्वारा विश्व में
शांति, नीति, एकता की स्थापना और मानवजाति, जीवसृष्टि, प्रकृति के सर्वांगी कल्याण के लिए प्रयत्न करना।

सतयुग में इच्छापुरी, त्रेता में मायापुरी, द्वापर में मेघावती और कलियुग में कायावरोहण नाम से प्रसिद्ध महातीर्थ चारों युग में वैदिक ज्ञान, योगविद्या, यज्ञविद्या और सनातन संस्कृति शिक्षण - प्रशिक्षण का विश्व का महाकेन्द्र रहा है। इस तीर्थ से विश्वामित्र मुनि द्वारा गायत्री मंत्र विश्व में प्रसारीत हुआ। भगवान शिवजी के अड्ठाइसवें अवतार लकुलीशजी ने काया में अवरोहण ( प्रवेश करना ) करने से द्वापर - कलियुग के संधिकाल से यह तीर्थ "कायावरोहण" नाम से प्रसिद्ध है। करीब 5000 वर्ष पहले कायावरोहण तीर्थ में अनेक अतिथि निवास, तपोवन, मंदिर, गौ-शाला, अन्नक्षेत्र, गुरुकुल और आश्रम थे। विश्वभर से अनेक ज्ञान पिपासुओं "कायावरोहण" महातीर्थ में आकर ज्ञान, योग, तप, भक्ति, सेवा लाभ प्राप्त करते थे। इस प्रकार पूर्वकाल में "कायावरोहण" ज्ञान, तप और सेवा का पृथ्वी पर का महाकेन्द्र था।

"सनातन यानी जिसका आदि ( शुरुआत ) या अंत न हो।" जो सभी जीवों के लिए वर्तमान में और भविष्य में हितकर हो ( किसी के लिये अहितकर ना हो ) साथ ही प्रकृति का संवर्धन और संरक्षण करनेवाला हो ऐसे शाश्वत कल्याणकारी सिद्धांतों को "सनातन धर्म" और शाश्वत कल्याणकारी जीवन पद्धति को "सनातन संस्कृति" नाम से पहचाना जाता है।

आप सभी को बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पूज्य प्रितम मुनिजी द्वारा "कायावरोहण महातीर्थ" से "सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" द्वारा विश्व में शांति, नीति और एकता की स्थापना हेतु "हिंदु गुरुकुल - लकुलीश सनातन संस्कृति विद्यापीठ" का निर्माण किया जा रहा है।

**(1) तक्षशिला विद्यापीठ :-** भगवान श्रीराम के भाई भरत के पुत्र तक्ष ने बसाई हुई राजधानी तक्षशिला नाम से प्रसिद्ध है। जो पाकिस्तान के रावलपींडी से 20 कि.मी अंतर पर स्थित है। ई.स. पूर्व 700 वर्ष पहले स्थापित तक्षशिला विद्यापीठ में 10,500 जितने छात्रों को 60 जितने विषयों में से पात्रता और पसंदगी अनुसार शिक्षण दिया जाता। "महान नीतिज्ञ चाणक्य" तक्षशिला विद्यापीठ के आचार्य थे।

**(2) नालंदा विद्यापीठ :-** ई.स. 450 से 470 के आसपास कुमार गुप्त प्रथम द्वारा स्थापित नालंदा विद्यापीठ बिहार के पटना से लगभग 100 कि.मी जितने अंतर पर स्थित है। नालंदा विद्यापीठ में 10,000 छात्रों और 2000 प्रशिक्षक थे। उस में भारतदेश के साथ कोरीया, चीन, तिब्बत, इन्डोनेशिया, तूर्क और फारस से छात्रों पढ़ने आते थे। "महान गणितज्ञ आर्यभट्ट" नालंदा विद्यापीठ के आचार्य थे।

## शिक्षण - प्रशिक्षण और शैक्षणिक विशेषताएँ

**(1) आधुनिक शिक्षण (Modern Education)** • पूर्व प्राथमिक :- शिशुमंदिर, LKG, UKG • प्राथमिक :- कक्षा 1 से 5
• उच्च प्राथमिक :- कक्षा 6, 7, 8 • माध्यमिक :- कक्षा 9, 10 • उच्चतर माध्यमिक :- कक्षा 11, 12
• कौशल विकास शिक्षण • स्नातक • अनुस्नातक • विद्या वाचस्पति (Ph.D)

**(2) सनातन संस्कृति मार्गदर्शन और प्रशिक्षण (Eternal Culture Guidance & Training)**
• पंचकर्म :- 1. संध्या 2. देव पूजन 3. यज्ञ 4. योग 5. सोलह संस्कार
• पंच उपदेश :- 1. सनातन धर्म 2. कर्म का सिद्धांत 3. कर्म ज्ञान भक्ति 4. चार आश्रम 5. चार पुरुषार्थ

**(3) सुरक्षा प्रशिक्षण (Defence Training)** **(4) नेतृत्व प्रशिक्षण (Leadership Training)** **(5) विशेषज्ञ प्रशिक्षण (Expert Training)**

❀ **आधुनिक शिक्षण (Modern Education):-** हिंदु छात्रों के लिए शिशुमंदिर (Nursery) से विद्या वाचस्पति (Ph.D.) तक के उत्तम आधुनिक शिक्षण - प्रशिक्षण के साथ... • भाषा शिक्षण (Language Teaching) :- देवभाषा संस्कृत, राष्ट्रभाषा हिंदी, अंग्रेजी एवं अन्य भारतीय और वैश्विक भाषाओं में संभाषण कौशल विकसित करना। • कम्प्युटर शिक्षण (Computer Teaching) :- कम्प्युटर और ओनलाइन शिक्षण द्वारा टेक्नोलोजी का उपयोग करने एवं उसे अर्थोपार्जन का माध्यम बनाने हेतु प्रशिक्षण देना। • वैज्ञानिक क्षमता विकास (Development of Scientific Abilities) :- विभिन्न क्षेत्र में शोध संशोधन से वैज्ञानिक क्षमता विकसित करना। • खेलकूद प्रशिक्षण (Sports Training) :- विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण द्वारा स्वास्थ्य लाभ, तनाव मुक्ति, संगठनभाव का विकास, सफलता - निष्फलता में सहजता, नेतृत्व क्षमता एवं रमतवीरों के लिये अर्थोपार्जन के साथ राष्ट्रसेवाभाव विकसित करना। • कला प्रशिक्षण (Art Training) :- नाट्य, गायन, वादन, नृत्य, चित्रकला, सुशोभन- कला आदी का सरकार मान्य प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम द्वारा शिक्षण प्रशिक्षण देना। • संभाषण प्रशिक्षण (Communication Training) :- प्रवचन, संवाद, वक्तव्य, प्रवक्ता, रेडीयो - टी.वी कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण देना। • गृह उद्योग (Home Industry) :- सिलाई काम, हस्तकला, धूपबत्ती, मोमबत्ती, मसालें, नमकीन, पतंग, पशु आहार इत्यादी बनाने प्रशिक्षण देना।

• लघु उद्योग (Small Scale Industry) :- पशुपालन, पत्तल / दोना बनाना, पापड़, हेन्डलुम, फूड पार्लर, धार्मिक उपकरण - पूजा की सामग्री, राजमिस्त्री काम, फोटोग्राफी, विडीयोग्राफी, इलेक्ट्रीक सामान रीपेरींग इत्यादी हेतु सरकार मान्य लघु उद्योग स्थापना और संचालन हेतु मार्गदर्शन प्रशिक्षण देना। • खेतीकाम (Farming) :- ऋतु, जमीन के प्रकार, जल व्यवस्था, आर्थिक अनुकूलता, कामदार व्यवस्था एवं संशोधनों अनुसार प्राचीन और आधुनिक तरीके से जैविक खेतीकाम का प्रशिक्षण देना। • पाक कला (Cooking) :- सादा भोजन एवं अलग अलग आयुर्वेदिक काढ़ा, अल्पाहार, आयुर्वेदिक पाक, अचार, नमकीन, मीठाइ बनाने और उसके द्वारा अर्थोपार्जन का प्रशिक्षण देना। • योग प्रशिक्षण (Yog Training) :- योगाभ्यास द्वारा स्वास्थ्यलाभ, आध्यात्मिक उन्नति के साथ योग प्रशिक्षक तालिम देना। • चिकित्सा प्रशिक्षण (Therapy Training) :- घरेलु उपचार (Home Remedies), प्राकृतिक चिकित्सा (Neturopathy), आयुर्वेदिक, यौगिक, अंग व्यायाम (Physiotherapy) और रंग चिकित्सा इत्यादि चिकित्सा पद्धतियों का प्रशिक्षण देना।

❀ सनातन संस्कृति मार्गदर्शन और प्रशिक्षण (Eternal Culture Guidance & Traning) :- सनातन संस्कृति के धर्मग्रंथों वेद, उपनिषद, दर्शनशास्त्र, भगवद्गीता और शास्त्रों का प्राथमिक ज्ञान देना। संध्याकर्म, देव पूजन, यज्ञ, योग, सोलह संस्कार, विधि विधानों का प्रशिक्षण देना। त्यौहारों, उत्सवों, व्रतों, तीर्थों, परंपराओं की जानकारी और महत्व समझाकर उससे लाभान्वित होने प्रशिक्षण देना।

❀ सुरक्षा प्रशिक्षण (Defence Traning) :- "राष्ट्रीय लश्करी विद्यार्थी दल (NCC)", मार्शल आर्ट, लठ-तलवार-बंदूक चलाना, तीरंदाज़ी, घुड़ सवारी, मोटर ड्रायवींग, तैरना, वृक्ष पहाड़ी पर चढ़ना, प्राकृतिक आपदा के समय स्वसुरक्षा के साथ सेवा हेतु प्रशिक्षण देना।

❀ नेतृत्व प्रशिक्षण (Leadership Traning) :- मानवों के हितकारी जीवन, जीवसृष्टि एवं प्रकृति के संवर्धन और सुरक्षा हेतु अनेक क्षेत्रों में कल्याणकारी नेतृत्व हेतु भारत और विश्व के इतिहास एवं भारत के संविधान का शिक्षण, धर्मनीति, राजनीति, व्यवहारनीति के समन्वित ज्ञान के साथ अनेक-विध क्षेत्रों के नेतृत्व एवं राजकीय शासक का प्रशिक्षण देना।

❀ विशेषज्ञ प्रशिक्षण (Expert Traning):- "हिंदु गुरुकुल" द्वारा उत्तम अभिनेता, गायक, संगीतकार, फेशन डिजाइनर, चित्रकार, साहित्यकार, गीतकार, कवि, फोटोग्राफर, विडियोग्राफर, पत्रकार, उद्घोषक (Anchor), रेडीयो स्टेशन और टी.वी चेनल संचालन, चलचित्र (Movie) निर्माण प्रशिक्षण, खो-खो, चिड़ीबल्ला, गिलिडंडा, कंचे जैसे ग्राम्य खेलों के साथ क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कबड्डी, वॉलीबॉल, जिम्नेस्टिक इत्यादी अनेक खेलों का आंतराष्ट्रीय स्पर्धात्मक प्रशिक्षण देना।

● निवासीय व्यवस्था :- "हिंदु गुरुकुल" में छात्रों, कर्मचारीयों और अतिथियों के लिए सादगीपूर्ण भोजन निवास व्यवस्था होगी। कुछ वर्षों में प्रयोगशालाएँ, संशोधन केन्द्रों, पुस्तकालयें, खेलकूद के मेदान, बाग - बगीचे, नाट्यगृह का क्रमशः निर्माण किया जाएगा।

● केवल हिंदु छात्रों और कर्मचारीयों को प्रवेश :- "हिंदु गुरुकुल" में शास्त्रों, देवी देवताओं, पूजन विधि विधानों की मान मर्यादाओं को बनाये रखने के लिए निर्णय लिया कि हिंदु गुरुकुल में केवल हिंदु छात्रों, कर्मचारीयों को ही प्रवेश दिया जायेगा।

● चलचित्र (Movie, T.V Serial) निर्माण :- "हिंदु गुरुकुल" उस प्रकार के गीत - संगीत, चलचित्रों का निर्माण करेगा जो हिंदु सनातन संस्कृति के गौरवान्वित इतिहास एवं देवी देवताओं, विधि विधान, शास्त्र विषयक मार्गदर्शन और शिक्षण - प्रशिक्षण देते हो।

● प्रवेश परीक्षा :- "हिंदु गुरुकुल" में प्रवेश परीक्षा अनिवार्य रहेंगी। प्रवेश परीक्षा के लिए संपूर्ण मार्गदर्शन देता पुस्तक प्रकाशित किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा में उत्तिर्ण होनेवाले छात्रों को ही प्रवेश दिया जायेगा।

● शिक्षण, भोजन, निवास, कौशल विकास हेतु फ़ीस :- "हिंदु गुरुकुल" में छात्रों से अभ्यास, भोजन - निवास, व्यवस्था, कौशल विकास हेतु निश्चित की हुई फ़ीस ली जायेगी। किसी दानदाताओं से जिस हेतु से दान प्राप्त होगा उन आयोजनों को निःशुल्क संचालित किया जायेगा।

● गरीब छात्रों :- जो आत्मीयजनों गरीब छात्रों को निःशुल्क शिक्षण देना चाहते हो वे दानदाताओं से गरीब छात्रों की फ़ीस का दान देकर दीलवाकर गरीब छात्रों के निःशुल्क शिक्षण, भोजन - निवास, कौशल विकास प्रशिक्षण व्यवस्था में सहयोगी बन सकते है।

**दानदाताओं हेतु** वर्तमान में हिंदु गुरुकुल "का निर्माण कार्य चल रहा है। जब हिंदु गुरुकुल हेतु अन्य बड़े भवन का निर्माण होगा उसके बाद वर्तमान में निर्मित भवन का "शिव संकल्प कार्यालय" हेतु उपयोग किया जायेगा।

• प्रयोगशाला / पुस्तकालय / कम्प्युटर रुम निर्माण हेतु दान - ₹ 17,50,000/- ( फर्निचर सहित ) और ₹ 12,50,000/- ( फर्निचर रहित )

• एक रुम निर्माण हेतु दान - ₹ 10,00,000/- ( फर्निचर सहित ) और ₹ 7,50,000/- ( फर्निचर रहित )

• एक रुम के फर्निचर का दान - ₹ 2,50,000/- • विशेष दानदाता - ₹ 1,00,000/- या उससे अधिक

( जिस दानदाता द्वारा ₹ 1,00,000/- या उससे ज्यादा दान दिया जायेगा उनके द्वारा निश्चित किये गये नाम की अलग तख़्ती रखी जायेगी। )

• जिस दानदाता द्वारा ₹ 25,000/- से 99,999/- तक का दान दिया जायेगा उनके द्वारा निश्चित किया गया नाम "दानदाता की नामावली" में तख़्ती पर अंकित किया जायेगा।

• दान सुख की खेती है। • सुपात्र को दिया दान दानदाता का कल्याण करता है। • जैसा बोयेंगे वैसा पाएंगे।

• कर भला होगा भला। • अपनी कमाई का दसवाँ भाग परमार्थ और सेवा हेतु जरुर दान करना चाहिये।

आप या आपके परिचितों से "सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" हेतु "हिंदु गुरुकुल - शिव संकल्प कार्यालय" स्थापना रुपी महायज्ञ में दान देकर, दिलवाकर सेवा सहयोगी बनें।


**हिंदु गुरुकुल - लकुलीश सनातन संस्कृति विद्यापीठ**

लकुलीश सनातन संस्कृति प्रबोधन अभियान

लकुलीशधाम, प्रितमपुरम, कायावरोहण, वडोदरा, गुजरात

☎ 9998038892, 9925225648, 9428976242

✉ - hindugurukul@gmail.com

Website : www.lakulishsanskriti.org Mobile App: Lakulishdham

Youtube Channel : Lakulish Tv Facebook : Hindu Gurukul


A/C Name Lakulish Sanatan Sanskriti Prabodhan Abhiyan

Bank of Baroda, A/C No. - 36980100004809

IFSC Code - BARB0NEWVIP(5th Digit Zero)

Branch - New VIP Road, Vadodara

PAN No.- AABTL2089D

80G No.- AABTL2089DF2020601

CSR No.- CSR00044848

UPI ID - lakulish02@barodampay